नवभारत
भोपाल, शुक्रवार 23 जनवरी, 2026

सर्जरी के बाद महिला के पेट में छोड़ी सुई और कपड़ा

खास बातें

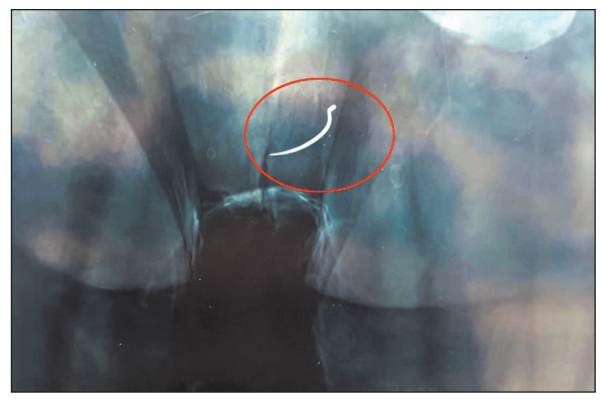

- एक्सरे में सामने आई स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही
- महिला की हालत गंभीर, लग चुका तीन बाटल ब्लड

नवभारत न्यूज

विदिशा 22 जनवरी, सरकारी अस्पतालों में बरती जाने वाली लापरवाही एक बार फिर सामने आई है जहां सर्जरी के बाद महिला के की बच्चेदानी में कपड़ा और सुई छोड़ दी. महिला को पेट में तेज दर्ज के बाद जब उसे विदिशा लाया गया जहां पर एक्सरे के बाद पूरी सच्चाई सामने आ सकी. जिले की त्योंदा तहसील स्थित शासकीय अस्पताल में प्रसव के दौरान बड़ी लापरवाही का सनसनीखेज मामला सामने आया है. ग्राम मुराहर निवासी विनोद विश्वकर्मा ने आरोप लगाया है कि उनकी पत्नी 26 वर्षीय विशाखा विश्वकर्मा की डिलीवरी के समय डॉक्टरों की लापरवाही के चलते बच्चेदानी में टांके लगाने की सूई तथा रक्तस्राव रोकने के लिए उपयोग किए गए कपड़े अंदर ही छोड़ दिए गए, जिससे प्रसूता की हालत गंभीर हो गई. प्राप्त जानकारी के अनुसार, विनोद विश्वकर्मा अपनी पत्नी को प्रसव की पीड़ा के बाद 19 जनवरी को त्योंदा स्थित सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे थे जहां पर डिलीवरी के दौरान डॉक्टर द्वारा बच्चेदानी में चीरा लगाकर टांके लगाए गए. आरोप है कि इसी दौरान टांके लगाने की सूई बच्चेदानी के अंदर ही रह गई. साथ ही अत्यधिक रक्तस्राव रोकने के लिए डाले गए कपड़े भी बाहर नहीं निकाले गए. इस गंभीर चूक की जानकारी न तो मरीज को दी गई और न ही परिजनों को. शाम लगभग 5 बजे प्रसूता की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी. स्थिति गंभीर होने पर अस्पताल प्रशासन ने वास्तविक कारण बताए बिना महिला को आनन-फानन में जिला अस्पताल रेफर कर दिया. बाद में विदिशा मेडिकल कॉलेज में कराए गए एक्स-रे में बच्चेदानी के भीतर सूई होने की पुष्टि हुई, जिससे प्रसूता के जीवन पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया.घटना से आक्रोशित विनोद विश्वकर्मा ने पूरे मामले की शिकायत विदिशा कलेक्टर कार्यालय एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी विदिशा से करते हुए त्योंदा अस्पताल में पदस्थ नदेशिवानी एवं सारिता नामक चिकित्सकीय स्टाफ पर कठोर कार्रवाई की मांग की है.परिजनों का कहना है कि यह मात्र लापरवाही नहीं, बल्कि प्रसूता की जान से किया गया सीधा खिलवाड़ है। मामले के उजागर होते ही स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है.अब देखना यह है कि जिम्मेदारों पर ठोस कार्रवाई होती है या यह गंभीर मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा.

हालम गंभीर, तीन यूनिट लगा ब्लड

बताया जा रहा है कि महिला की हालत गंभीर बनी हुई है जो अभी तक बेहोशी की हालत में है. महिला को अभी तक तीन यूनिट ब्लड लग चुका है. इस मामले में सीएमएचओ डाक्टर रामहित कुमार ने बताया मामला सामने आया है. जिसकी जांच के लिए टीम बना दी.जांच रिपोर्ट मिलने पर ही आगे की कार्यवाही की जाएगी.

खदान में मिली मजदूर की लाश, मुआवजे की मांग को लेकर किया चक्काजाम

नवभारत न्यूज

गंजबसौदा 22 जनवरी, उदयपुर क्षेत्र की एक पत्थर खदान में गुरुवार सुबह 45 वर्षीय मजदूर मुकेश साहू का शव संदिग्ध हालत में पानी में तैरता मिला. प्राथमिक तौर पर डूबने से मौत की आशंका जताई जा रही है. घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर उदयपुर के मुख्य मार्ग पर चक्का जाम कर विरोध प्रदर्शन किया. परिजनों के मुताबिक, मुकेश साहू बुधवार को रोज़ की तरह काम पर गए थे, लेकिन शाम तक घर नहीं लौटे. काफी तलाश के बाद भी जब कोई सुराग नहीं मिला तो पुलिस को सूचना दी गई.

गुरुवार सुबह ग्रामीणों और परिजनों ने आसपास की पत्थर खदानों में खोजबीन की, जहां एक पानी भरी खदान में उनका शव मिला. शव मिलने की खबर फैलते ही परिजनों का आक्रोश बढ़ गया. उन्होंने सुबह करीब 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक उदयपुर मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया और मृतक के परिवार को मुआवजा देने की मांग की. सूचना मिलने पर तहसीलदार अरविंद यादव, एडीओपी शिखा भल्लावी और पुलिस दल मौके पर पहुंचे.अधिकारियों ने परिजनों से चर्चा कर उन्हें समझाइश दी, जिसके बाद जाम समाप्त कराया गया. शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया. मृतक के बेटे लक्की साहू ने बताया कि उनके पिता परिवार के एकमात्र कमाने वाले थे. परिवार में दो बेटे—लक्की और योगेश—और एक बेटी अनामिका साहू हैं. पिता की मौत के बाद परिवार के सामने भरण-पोषण की गंभीर चिंता खड़ी हो गई है. तहसीलदार अरविंद यादव ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और नियमानुसार मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा.

हत्या के प्रयास के आरोपी को किया गिरफ्तार, धारदार हथियार जप्त

नवभारत न्यूज

विदिशा, बुधवार को थाना कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत जय स्तंभ कॉम्पलेक्स, बड़ी बजरिया, विदिशा में एक गंभीर घटना की सूचना प्राप्त हुई. सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची एवं प्रकरण पंजीबद्ध किया गया. पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी पंकज यादव पिता बल्ला उर्फ भारत सिंह यादव, उम्र 21 वर्ष, निवासी नाई मोहल्ला, तोपपुरा, विदिशा को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई. पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपराध करना स्वीकार किया, जिसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त चाकू जप्त की गई. इस कार्रवाई में के माध्यम से अपराध की शीघ्र जाँच, पारदर्शिता एवं अपराधियों पर प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की गई, जिससे प्रकरण के त्वरित निराकरण में सफलता मिली.

शासकीय स्कूल में दबंगई, शिक्षकों से मारपीट कर शासकीय कार्य में डाली बाधा

नवभारत न्यूज

विदिशा/ग्यारसपुन,शिक्षा विभाग के अंतर्गत संकुल केंद्र हैदरगढ़ की शासकीय प्राथमिक शाला धोखेड़ा पिपरिया स्कूल में गुरुवार को एक गंभीर और निंदनीय घटना सामने आई.सुबह करीब 11 बजे कपिल जोशी स्कूल परिसर में पहुंचे और वहां मौजूद शिक्षक प्रदीप त्रिवेदी व बाबूलाल अहिरवार शिक्षक के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर दी. घटना के दौरान शासकीय कार्य में जानबूझकर बाधा डाली गई, जिससे विद्यालय का शैक्षणिक माहौल पूरी तरह से प्रभावित हो गया.

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आरोपी ने शिक्षकों के साथ हाथापाई करने के साथ-साथ बीएलओ दस्तावेजभी फाड़ दिया, जो शासकीय दस्तावेज है.इस हरकत से न केवल कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े होते हैं, बल्कि स्कूल जैसे पवित्र स्थान की गरिमा भी तार-तार हुई है. घटना के बाद विद्यालय में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बच्चों की पढ़ाई भी बाधित हुई.मामले की सूचना मिलते ही हैदरगढ़ थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला. इस संबंध में थाना प्रभारी रोहित सिंह कौरव बताया कि फरियादी शिक्षक की शिकायत पर पुलिस ने एसटी-एसटी एक्ट सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया और पीड़ित शिक्षकों का मेडिकल परीक्षण कराया गया. इस घटना ने शिक्षा विभाग की सुरक्षा व्यवस्था और स्कूलों में शिक्षकों की सुरक्षा पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है. अब देखना होगा कि प्रशासन आरोपी के खिलाफ कितनी सख्त कार्रवाई करता है.

नलजल योजना के नाम पर सांची की सड़कें छलनी

खुदाई का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा, घर-घर जल अब भी अधूरा, लेकिन लाखों की पक्की सड़कें बदहाल; हादसों का खतरा बढ़ा

नवभारत न्यूज

सांची, नगर में नलजल योजना के नाम पर पक्की सड़कों की अंधाधुंध खुदाई का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है.योजना का उद्देश्य भले ही घर-घर जल पहुंचाना बताया जा रहा हो, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि लंबा समय बीत जाने के बावजूद आज भी कई वार्डों में लोगों को नियमित जल आपूर्ति नहीं मिल पा रही है, जबकि नगर की कीमती पक्की सड़कें पूरी तरह उखाड़ दी गई हैं. जानकारी के अनुसार कछुआ गति से चल रही नलजल योजना के तहत नगरभर में लाखों रुपए की लागत से बनी सड़कों को जगह-जगह खोद दिया गया है। खुदाई के बाद न तो समय पर मरम्मत की जा रही है और न ही सुरक्षा के कोई इंतजाम किए गए हैं। परिणामस्वरूप नागरिकों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं दोपहिया वाहन चालकों, बुजुर्गों और स्कूली बच्चों के लिए यह स्थिति जानलेवा साबित हो सकती है.नियमानुसार किसी भी विभाग द्वारा सार्वजनिक सड़क की खुदाई किए जाने पर उसे उसी गुणवत्ता और मजबूती के साथ पुन: निर्माण करना अनिवार्य होता है। लेकिन सांची में नलजल योजना के नाम पर सड़कें खोदकर छोड़ दी जा रही हैं, जिससे सड़कें मटियामेट हो चुकी हैं और दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बनी हुई है. स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कई स्थानों पर रात के समय गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है.इस संबंध में नलजल योजना के इंजीनियर श्री आकाश ने सफाई देते हुए कहा कि योजना अंतर्गत पाइपलाइन बिछाने हेतु खुदाई की गई है, जिन सड़कों की खुदाई हुई है उन्हें शीघ्र ही ठीक करवा दिया जाएगा.हालांकि लोगों का सवाल यह है कि जब तक सड़कों की हालत नहीं सुधरती, तब तक जिम्मेदारी किसकी होगी.योजना की या प्रशासन की ?घर-घर जल पहुंचाने की मंशा सराहनीय है, लेकिन उसके नाम पर सांची की सड़कों और नागरिकों की सुरक्षा से किया जा रहा खिलवाड़ अब बर्दाश्त के बाहर होता जा रहा है.

ब्रह्मा बाबा के अंतिम महावाक्य बच्चे, निराकारी, निर्विकारी और निरहंकारी बनो -रुक्मिणी दीदी

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, प्रजापिता प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय चर्च वाली गली बरेठ रोड स्थित सेवा केंद्र में पिताश्री ब्रह्मा बाबा का स्मृति दिवस मनाया गया जिसमें ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने ब्रह्मा बाबा की स्मृति में उनकी विशेषताओं का वर्णन करते हुए कहा कि ब्रह्मा बाबा सिंध प्रांत के हैदराबाद शहर में, सन् 1876 में दादा लेखराज का जन्म कृपलानी परिवार में हुआ था. बचपन से ही उनकी बुद्धि कुशाग्र थी.अपने बाल्यकाल में माता-पिता के देहांत के पश्चात् वे अपने चचेरे भाई के राशन की दुकान पर काम करने लगे.काम करते-करते वे गरीबों को राशन दान भी करने लग गये थे, जिसे देख चचेरे भाई ने उन्हें दुकान से निकाल दिया.तत्पश्चात् बम्बई आकर उन्होंने हीरे-जवाहरात का ज्ञान प्राप्त किया और कुछ समय बाद अपना खुद का व्यवसाय प्रारंभ किया. प्रखर व तीक्ष्ण बुद्धि होने के कारण अल्पायु में उन्होंने अपने हीरे-जवाहरात के व्यापार को ना केवल कलकत्ता, राजस्थान व मुंबई, बल्कि विदेश में भी बढ़ाया. वे अत्यंत रहमदिल तथा सात्विक स्वभाव के थे.उनके संस्कार पूर्णतया राजकुलोचित थे तथा वे शाकाहारी भी थे.दादा लेखराज का राजा-महाराजाओं के महल में बहुत विशेष व राजसी रूप से आदर, सत्कार व स्वागत किया जाने लगा.दादा की सौम्यता तथा राजकुलोचित संस्कारों को देख अनेक राजाओं के मुख से निकल ही जाता था कि ईश्वर को सचमुच राजा तो दादा को बनाना चाहिए था.दादा लेखराज ने अपने जीवन में 12 गुरू किये थे.वे नित्य गीता पाठी थे. सफर में भी गीता का पाठ अवश्य करते थे.दादा के पास पॉकेट साइज की छोटी गीता भी रहती थी.सन 1936 में दादा की आयु जब 60 साल की हुई तब उनमें अचानक बदलाव आने लगे. दादा एकांतप्रिय बनने लगे और ईश्वरीय चिंतन में मग्न रहने लगे. ऐसे महावाक्य उनके कानों में गुंजने लगे और गुरूजी के पास जाकर उन्होंने अपनी यह बात रखी.परंतु गुरूजी भी इन बातों से अवगत नहीं थे और इस तरह के साक्षात्कार गुरूजी को भी अचंभित करते थे.इसी श्रृंखला में दादा अधिकाधिक एकांतप्रिय होने लगे और उन्हें अनेकानेक साक्षात्कार होने लगे, जैसे कि उन्हें परमपिता परमात्मा शिव तथा सृष्टि के महाविनाश का भयंकर साक्षात्कार हुआ.

मेमू के कोचों की संख्या बढ़ाने केन्द्रीय मंत्री को लिखा पत्र

नवभारत न्यूज

विदिशा, बीना भोपाल रेलखंड पर लगातार की जा रही कोच कटौती से उत्पन्न गंभीर यात्री संकट के संबंध में रेल उपयोगकर्ता सलाहकार समिति, भोपाल मंडल के सदस्य कमलेश सेन ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को पत्र प्रेषित कर तत्काल हस्तक्षेप का अनुरोध किया है.

सेन ने पत्र में अवगत कराया है कि बीना भोपाल रेलखंड, भोपाल, विदिशा, गंजबासोदा, कुरवाई, सांची एवं बीना जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के विद्यार्थियों, शासकीय एवं निजी कर्मचारियों, व्यापारियों तथा दैनिक रेल यात्रियों के लिए एक प्रमुख जीवनरेखा है. इस मार्ग पर संचालित मेमू एक्सप्रेस ट्रेनों (11605/11606 एवं 61631/61632) में कोचों की संख्या 12 से घटाकर 8 किए जाने के कारण यात्रियों को अत्यधिक भीड़, लंबी दूरी तक खड़े होकर यात्रा करने की विवशता, महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव तथा संभावित दुर्घटनाओं जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है.उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि उक्त समस्या के निराकरण हेतु 4 अक्टूबर , 30 अक्टूबर एवं 12 नवंबर 2025 को संबंधित रेल अधिकारियों को लिखित रूप से अवगत कराया गया. इसके अतिरिक्त 15 अक्टूबर को आयोजित बैठक में भी विस्तृत चर्चा की गई, किंतु अब तक कोई ठोस एवं प्रभावी समाधान सामने नहीं आया है. सेन ने बताया कि इसके साथ ही बिलासपुर भोपाल एक्सप्रेस में कोच कटौती तथा राज्यरानी एक्सप्रेस में वर्षों से लंबित कोच वृद्धि एवं समय संशोधन की मांगें भी लंबित हैं, जिससे यात्रियों की समस्याएँ और अधिक गंभीर हो गई हैं.उन्होंने यह भी जानकारी दी कि 11 दिसंबर 2025 को भोपाल में मंडल रेल प्रबंधक से प्रत्यक्ष भेंट कर समस्याओं से अवगत कराया गया, परंतु केवल आश्वासन के अतिरिक्त कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई. जबकि पूर्व में 28 जुलाई 2021 एवं सितंबर 2022 में श्री सिंधिया के हस्तक्षेप से यात्रियों को त्वरित राहत प्राप्त हुई थी.पत्र के माध्यम से सेन ने निम्नलिखित प्रमुख मांगें रखी हैं.बीना भोपाल मेमू/पैसेंजर ट्रेनों में तत्काल कोच संख्या बढ़ाई जाए.बिलासपुर भोपाल एक्सप्रेस में कटे हुए कोच पुन: बहाल किए जाएँ. राज्यरानी एक्सप्रेस में कोच वृद्धि एवं समय-सारणी में आवश्यक संशोधन किया जाए.

बच्चों ने केनवास पर उकेरी कल्पना जरूरी है नियमों का पालन

नवभारत न्यूज

विदिशा, पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर 1 से 31 जनवरी तक मनाए जा रहे सड़क सुरक्षा माह के तहत गुरूवार को पुलिस लाइन स्थित सामुदायिक केंद्र में एसपी रोहित काशवानी के निर्देश पर शहर के प्रमुख विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के लिए सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में नगर के विभिन्न विद्यालयों से लगभग 200 से 250 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की. विद्यार्थियों ने अपने चित्रों एवं निबंधों के माध्यम से यातायात नियमों के पालन, हेलमेट व सीट बेल्ट के उपयोग, सुरक्षित गति तथा सड़क पर अनुशासित व्यवहार जैसे महत्वपूर्ण संदेश प्रस्तुत किए. कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के माध्यम से समाज में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं जीवन रक्षा के महत्व को रेखांकित करना रहा. उपस्थित अधिकारियों द्वारा विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें यातायात नियमों का स्वयं पालन करने तथा दूसरों को भी प्रेरित करने का संदेश दिया गया.

जगद्गुरु के साथ एक फर्श पर बैठकर 15 हजार समाजजन ने पाई प्रसादी

नारायण ने बनाया समरस भोज, सेवा के चूल्हे पर सजी सनातन एकता

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, तरण तारण पाठशाला में संपन्न हुए नगर के हिंदू सम्मेलन ने जहां एकता,संस्कृति राष्ट्रभक्ति का संदेश तो दिया ही साथ में एक संगत और एक पंगत में हिंदू समाज में जात पात की दीवारों को तोड़ते हुए सनातन पीठ की धर्म ध्वजा जगदगुरु के साथ एक फर्श पर बैठकर सामूहिक रूप से प्रसादी ग्रहण कर समरसता का भी भाव जगाया.

समरसता भोज की आत्मा बने हलवाई नारायण सिंह कुशवाह जिन्होंने इस विशाल आयोजन को केवल भोजन नहीं, बल्कि समर्पण का संस्कार बना दिया. भोजन व्यवस्था संभाल रहे डॉ राकेश सिंह जादौन ने बताया कि यह भंडारा नहीं, सकल हिंदू समाज की साझा एकता, संस्कृति, राष्ट्रभक्ति रूपी साधना के भाव 15 हजार समाजजनों तक पहुंची प्रसादी में झलका. शोभायात्रा के दौरान नपा के सफाई मित्र मुस्तादी से शोभा यात्रा के दौरान सड़क पर विभिन्न संगठनों द्वारा किए गए स्वागत के दौरान फैली सामग्री को तत्परता से एकत्र किया, जबकि ग्राउंड के भीतर आयोजन स्थल पर भी 4-5 घंटे तक लगातार सफाई व्यवस्था संभाली गई. जल व्यवस्था की टीम ने भी पूरी मुस्तैदी से कार्य करते हुए कहीं भी जल की कमी नहीं होने दी.

समरसता भोज को मातृत्व और ममता से भर दिया। वहीं पुरुष वर्ग ने व्यवस्था, श्रम और अनुशासन की जिम्मेदारी संभाली। तैयारी से लेकर परोसने तक कहीं थकान नहीं दिखी, केवल सेवा का संतोष नजर आया। यही सामूहिक श्रम 15 हजार समाजजनों तक प्रसादी पहुंचाने का आधार बना. भंडारे की सामग्री तैयार करने में सुबह से देर रात तक सेवा का भाव छाया रहा. कोई आटा गूंथता दिखा, कोई सब्जी साफ करता, कोई कढ़ाहों पर चूल्हे संभालता तो कोई प्रसादी परोसने की तैयारी करता. समरसता भोज ने यह बताया कि हिंदू समाज की असली शक्ति उसकी संगठित सहभागिता में निहित है. सकल हिंदू समाज ने सम्मेलन के सफल आयोजन पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाली संस्थाओं, सामाजिक, धार्मिक संगठनों, व्यवस्था के लिए प्रशासनिक संस्थाओं, शासकीय संस्थाओं का आभार माना है.

जगदगुरु ने दिया एक संगत एक पंगत से समरसता का संदेश

आयोजकों ने बताया कि यह आयोजन 'एक पंगत, एक संगत' के भाव से हुआ, जिसमें हिंदू समाज ने सहभागिता निभाई. जगद्गुरु डॉ वेदांती जी ने फर्श पर बैठकर हिंदू समाज के साथ एक पंगत में बैठकर प्रसादी ग्रहण की. हिंदू समाज की संकल्प शक्ति और एकता के कारण ही यह विशाल आयोजन अनुशासित और सफल रूप से संपन्न हुआ, जिसने राष्ट्रभक्ति, समर्पण और समर्थ समाज का संदेश दिया। सम्मेलन में जगद्गुरु डॉ. रामकमलाचार्य वेदांती, संत राजाराम जी मस्ताना, गंज हनुमान मंदिर के महंत महेश्वर दास त्यागी सहित विभाग प्रचारक सौरभ सिंह, अन्य संत समाज की गरिमामयी उपस्थिति रही.कर्नाटक से विशेष रूप से पधारी बाल विदुषी, बाल कथावाचक और ओजस्वी वक्ता कृष्णप्रिया दास ने अपने उद्बोधन से मंच को विशेष गरिमा प्रदान की.

एसआईआर | **संगठनों ने की पात्र मतदाताओं के नाम ना काटने की मांग, मामले में जांच के लिए प्रशासन ने गठित की टीम**

मतदाता सूची पर कथित आपत्तियों के मामले ने पकड़ा तूल

नवभारत न्यूज

सिरोंज, मतदाता सूची पुनरीक्षण एसआईआर प्रक्रिया में मतदाताओं के नाम कटवाने के लिये कुछ कथित लोगों द्वारा आपत्ति देने के मामले ने तूल पकड़ लिया है. जिसको लेकर गुरुवार को भी विभिन्न संगठनों द्वारा तहसील पहुंचकर अधिकारियों को शिकायत दर्ज कराई गई. वही मामले में प्रशासन द्वारा एक टीम का भी गठन कर दिया गया है. जिसमें संबंधित बीएलओ एवं पटवारी को शामिल किया गया है. इस टीम द्वारा मौके पर जाकर भौतिक सत्यापन भी किया जा रहा है. प्रशासन द्वारा मतदाता सूची से किसी भी पात्र मतदाता का नाम नहीं काटे जाने की बात कही गई है.

सिरोंज में मतदाता सूची पुनरीक्षण एसआईआर प्रक्रिया में कुछ कथित लोगों द्वारा फॉर्म 7 के माध्यम से मतदाता सूची से नाम कटवाने के लिए आपत्ति देने का मामला काफी गर्मा गया है. मामले को लेकर गुरुवार को भी तहसील कार्यालय में विभिन्न संगठनों के नेतृत्व में अधिकारियों से शिकायत की गई. इस मौके पर मुस्लिम समाजजनों ने अनुविभागीय अधिकारी से मुलाकात कर एसआईआर के अंतर्गत फार्म 7 के माध्यम से झूठी आपत्ति कर अनेक मतदाताओं के नाम कटवाने के मामले में पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से ना काटे जाने तथा बीएलओ से जांच कराने की मांग की. उन्होंने कहा कि यह जानकारी मिली है कि कुछ कथित व्यक्तियों द्वारा फार्म 7 के माध्यम से शिकायतें प्रस्तुत कर अनेक वास्तविक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटवाने का प्रयास किया जा रहा है, जो कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विरूद्ध एवं अत्यंत गंभीर विषय है. कई मतदाता अपने वर्तमान पतों पर निवासरत हैं तथा मतदान हेतु पूर्ण रूप से पात्र हैं. उनका नाम हटाने का कोई भी वैधानिक आधार नहीं है. उन्होंने मामले की जाँच कराकर आपत्ति झूठी पाये जाने पर दोषियों के विरूद्ध प्रकरण दर्ज कराने तथा शिकायतों की निष्पक्ष जाँच कराने एवं सम्बंधित क्षेत्र के बीएलओ से भौतिक सत्यापन कराने की मांग की. इसके उपरांत दोपहर में मुस्लिम समाजजनों के एक प्रतिनिधिमंडल ने एडीएम से भी मुलाकात की. वही मामले में गुरवार को कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित रघुवंशी तथा जिला कांग्रेस प्रभारी पूर्व मंत्री प्रभु सिंह ठाकुर के नेतृत्व में अनुविभागीय अधिकारी से मुलाकात कर एक आवेदन सौंपा. जिसमें उन्होंने फार्म-7 के दुरुपयोग के संबंध में शिकायत की. जिसमें उन्होंने क्षेत्र के कई वास्तविक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से बिना उचित कारण के काटे जाने के लिए फॉर्म-7 के माध्यम से साजिश करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि फॉर्म 7 में मतदाता का विवरण पहले से मुद्रित है, लेकिन आपत्तिकर्ताओं का नाम, पता एवं शपथ-पत्र हलफनामा संलग्न नहीं है. ऐसे प्रकरणों में किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं की जानी चाहिए. उन्होंने सभी अवैध फार्म-7 को निरस्त करने तथा मामले में दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही करने की मांग की.

इनका कहना है-

इस मामले में अनुविभागीय अधिकारी हरिशंकर विश्वकर्मा का कहना है कि मामले में उनके द्वारा बुधवार को एक टीम का गठन किया गया है. जिसमें संबंधित बीएलओ एवं पटवारी को शामिल किया गया है. इस टीम द्वारा मौके पर जाकर आपत्तियों का भौतिक सत्यापन किया जा रहा है. किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से नहीं काटा जावेगा.